



News Coverage of Cadaver Organ Donation From Surat through Donate Life



◆ ◆ ◆ ◆ ◆

Cadaver Organ Donor

Lt. Kamleshbhai Dagabhai Patil

Donated His: Kidney, Liver & Cornea

Date:- 13/08/2023

DONATE LIFE™
an initiative for organ donation

" जीते जी रक्तदान, ब्रेनडे के बाद किडनी, लिवर, हृदयदान..."



News Coverage of Cadaver Organ Donation From Surat through Donate Life

अंगदान से नया जीवन

अंग मिलने से 8 मरीजों को मिली नई जिंदगी

**नई सिविल अस्पताल
से पहली बार फेफड़ों
का दान**

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

सुरत, दुनियाभर में 13 अगस्त को बर्लड ऑर्गन डोनेशन-डे मनाया जाता है। गुजरात के सूरत शहर में रविवार को किरण अस्पताल और नई सिविल अस्पताल में दो ब्रेनडेड मरीजों के अंगदान किए गए। इसमें चार किडनी, फेफड़े, लीवर के दान से आठ जनों को नई जिंदगी मिली है। नई सिविल अस्पताल से पहली बार फेफड़े का दान किया गया।

जानकारी के मुताबिक, इच्छापोर में टास्क कंपनी में सिक्यूरिटी कर्मचारी अशरफीलाल बंशधारी पाल (55) उत्तरप्रदेश के इलाहाबाद के निवासी थे। 9 अगस्त को रात 11.35 बजे उनकी तबीयत ख़ुराब हो गई। परिजन उनको नई सिविल अस्पताल लेकर आए। इलाज के दौरान चिकित्सकों ने उनको 12 अगस्त को ब्रेनडेड घोषित किया। इसके बाद परिवार से सहमति मिलने पर चिकित्सकों ने उनके अंगदान करने की जानकारी



किरण अस्पताल में अंगदान



सिविल में अंगदान

स्टेट ऑर्गन ट्रांसप्लांट ऑर्गनाइजेशन (एसओटीटीओ) को दी। एसओटीटीओ ने दोनों किडनी और लीवर का दान अहमदाबाद की ज़ायदस अस्पताल और फेफड़े के दी। अस्पताल को दिए।

वहीं, दूसरी घटना में डिलोली माधव कॉम्प्लेक्स शिवसाइ शक्ति सोसायटी निवासी कमलेश पाटिल

(47) 10 अगस्त को महाराष्ट्र नंदूबार शिलेश्वर के यहाँ अंतिम विधि के कार्यक्रम में गए थे। वापस लौटते समय नंदूबार में गिरकर घायल हो गए। उनको परिजनों ने उनको 11 अगस्त को सूरत के किरण अस्पताल में भर्ती करवाया। सीटी स्कैन रिपोर्ट में बोन हैमरेज होने की पुष्टि हुई। अस्पताल से सूचना

**नई सिविल से 10
माह में 40 मरीजों के
135 अंगों का दान**

शहर के नई सिविल अस्पताल से 10 माह में 40 मरीजों के 135 अंगों का दान किया गया है। वहीं डोनेट लाइफ ने सूरत समेत दक्षिण गुजरात से अब तक 1160 अंगों का दान करवाकर 1064 व्यक्तियों को नई जिंदगी दिलवाने में मदद की है।

मिलने पर डोनेट लाइफ की टीम पहुंची और परिवार को अंगदान के बारे में समझाया। परिजनों की सहमति पर स्टेट ऑर्गन ट्रांसप्लांट ऑर्गनाइजेशन (एसओटीटीओ)

को जानकारी दी गई। एसओटीटीओ ने किडनी और लीवर सूरत के किरण अस्पताल को दान किया। चबुओं का दान किरण अस्पताल ने स्वीकार किया और दोनों किडनी सूरत के 62 वर्षीय व्यक्ति व 41 वर्षीय व्यक्ति में ट्रांसप्लांट के लिए दी गई।



" जीते जी रक्तदान, ब्रेनडेड के बाद किडनी, लिवर, हृदयदान..."



कमलेशभाई के परिवार ने लीवर, किडनी और आंखें दान कर चार लोगों को जीवनदान दिया

मानवता की खुशबू फैलाकर समाज को नई दिशा दिखाई

**अतुल्य हिन्दुस्तान
संवाददाता**

सूरत, कमलेशभाई डाग्गा भाई पाटिल उम्र 47 वर्ष के परिवार ने डोनेट लाइफ के माध्यम से कमलेशभाई का लीवर, किडनी और आंखें दान कर चार लोगों को जीवनदान देते हुए मानवता की खुशबू फैलाकर समाज को नई दिशा दिखाई। सूरत के किरण अस्पताल में लिवर और दोनों किडनी का ट्रांसप्लांट किया गया है। डोनेट लाइफ संस्था अब तक देश-विदेश के डेढ़ हजार से अधिक लोगों को अलग-अलग अंग दान कर नई जिंदगी देने में सफल रही है। कपड़ा और हीरा नगरी के नाम से मशहूर सूरत अब देश में अंग दाता शहर के रूप में मशहूर हो रहा है।

मूल रूप से नंदुरबार महाराष्ट्र के निवासी और अब सी-36, शिवसाई शक्ति सोसायटी माधव कॉम्प्लेक्स, डिंडोली, सूरत के पास रहते हैं और उधना रोड के पास ओप माई बिसाल पाव सेंटर नाम से लौटी चलते हैं। 10 अगस्त को महाराष्ट्र के नंदुरबार में रहने वाले उसके मामा के बहां दसवें संस्कार के लिए गए थे। महाराष्ट्र नंदुरबार



विश्व अंगदान दिवस पर सूरत के किरण अस्पताल से डोनेट लाइफ द्वारा एक और अंगदान किया गया

से सूरत स्टीटे समय गाड़ी से गिर गए। अज्ञात व्यक्ति ने उन्हें तुरंत नंदुरबार के सिविल अस्पताल और फिर स्मिट अस्पताल में भर्ती कराया। 11 अगस्त को उन्हें आगे के इलाज के लिए किरण अस्पताल में भर्ती कराया गया और इलाज शुरू किया गया, निटान के लिए सीटी स्कैन कराने के बाद उन्हें ब्रेन हैमरेज का पता चला। 12 अगस्त को न्यूरोसर्जन डॉ. भौमिक ठाकोर, न्यूरोफिजिशियन डॉ. हीना फल्लू इंट्रिसिविस्ट डॉ. दर्शन त्रिवेदी, चिकित्सा निदेशक डॉ. मेहूल

पांचाल ने कमलेशभाई को ब्रेन डेड घोषित कर दिया।

कमलेश के भाई और परिवार के अन्य सदस्यों ने कहा कि यह एक ईश्वरीय कार्य है, मृत्यु के बाद शरीर गाथ में बदल जाएगा, अंग दान के माध्यम से अंग विफलता के रोगियों को नया जीवन मिलने से बेहतर कोई दान नहीं हो सकता है।

इतना कहने के बाद, वे कमलेशभाई के अंगों को दान करने के लिए सहमत हो गए। कमलेशभाई के परिवार में उनकी माँ जीजाबेन, पत्नी निर्मलाबेन, भाई प्रकाश हैं।

दान और प्रत्यारोपण

परिवार से अंगदान की सहमति मिलने के बाद एसओटीटीओ से संपर्क किया गया। एसओटीटीओ द्वारा किडनी और लीवर सूत के किरण अस्पताल को आवंटित किए गए थे। लीवर का दान किरण अस्पताल के डॉक्टर रवी मोहनका और उनकी टीम ने, किडनी का दान डॉक्टर कलपेश गोहेत, डॉक्टर धर्मेश नामा और उनकी टीम ने स्वीकार किया। जबकि आंखों का दान किरण अस्पताल के डॉक्टर संदीप शाह ने स्वीकार किया। डॉ. कलपेश गोहेत और उनकी टीम द्वारा दान में प्राप्त की गई दो किडनी में से एक किडनी का ट्रांसप्लांट सूत के निवासी 62 वर्षीय व्यक्ति में और दूसरी किडनी का ट्रांसप्लांट सूरत के निवासी 41 वर्षीय व्यक्ति में सूरत की किरण अस्पताल में किया गया।

उनका एक बेटा और दो बेटियां हैं। एक बेटा अक्षय 18 साल का है जो 12वीं कक्षा में पढ़ रहा है, दो बेटियों में से एक बेटी 24 साल की पुनम की शादी हो चुकी है और दूसरी बेटी रोहिणी 21 साल की है।

" जीते जी रक्तदान, ब्रेनडेड के बाद किडनी, लिवर, हृदयदान..."



ब्रेन डेमरीज के परिजनों ने लिवर, किडनी और आंखें दान कर चार लोगों को नई जिंदगी दी

सड़क दृष्टीना में ब्रेन हैमोरेज से पीड़ित व्यक्ति के परिवार ने लिया अंगदान का निर्णय

सूरत। आज का 13 अगस्त का दिन विश्व अंगदान दिवस के रूप में मनाया जाता है, वहीं विश्व अंगदान दिवस पर ही दानदाताओं की भूमि सूरत से एक और अंग दान किया गया है। 47 वर्षीय कमलेशभाई पाटिल महाराष्ट्र के नंदुरबार गांव से लौटते समय सड़क दुर्घटना में ब्रेन डेड हो गए। कमलेशभाई के परिवार ने विश्व अंगदान दिवस पर ही उनके अंगों को दान करने का फैसला किया। जिससे लीवर, किडनी और आंखें दान कर चार लोगों को नया जीवन देकर समाज को नई दिशा दिखाई।

मूल रूप से महाराष्ट्र के नंदुरबार के निवासी और बर्तमान



में सी-36, शिव साई शक्ति सोसाइटी, डिंडोली, सूरत में रहने वाले कमलेशभाई, पिछले दिनों उधना तीन रातों के पास ओम साई भिसल चाव सेंटर नामक लॉरी चलाते थे। 10 अगस्त को मामा के दसवां की रस्म के लिए नंदुरबार महाराष्ट्र गए थे। महाराष्ट्र से सूरत लौटते समय नंदुरबार में गाड़ी से पिर गया। अज्ञात लोगों ने उन्हें तुरंत नंदुरबार के सिविल अस्पताल में और फिर स्पीयर अस्पताल में

भर्ती कराया। 11 अगस्त को उन्हें अंगों के इलाज के लिए किरण अस्पताल में भर्ती कराया गया और इलाज शुरू हुआ। जहां डायनोस्टिक सोटी स्कैन किया गया तो पता चला कि ब्रेन हैमोरेज हुआ है। कमलेशभाई का 12 अगस्त को ब्रेन हैमोरेज का इलाज किया गया था। इस बीच, डॉक्टरों ने कमलेशभाई को ब्रेन डेड घोषित कर दिया। अंगदान के लिए काम करने वाली संस्था डोनेट लाइफ और फिर स्पीयर अस्पताल में

को डॉक्टरों ने कमलेशभाई को ब्रेन डेड घोषित करने की जानकारी दी। डोनेट लाइफ की टीम और डॉ. मेहुल पांचाल ने कमलेशभाई के परिवार को अंग दान के महत्व और इसकी पूरी प्रक्रिया के बारे में बताया। कमलेशभाई के भाई और परिवार के अन्य सदस्य अंग दान करने के लिए सहमत हुए।

इस अंगदान को लेकर परिवार ने कहा कि यह ईश्वरीय कार्य है, परने के बाद शरीर राख में बदल जाएगा। यदि अंगदान से अंग विफलता के परीक्षों को नई जिंदगी मिलती है तो उससे बेहतर कोई दान नहीं हो सकता। इतना कहकर वे कमलेशभाई के अंग दान करने के लिए तैयार हो गये। कमलेशभाई के परिवार में उनकी माँ जीजाबेन, पत्नी निर्मलाबेन, भाई प्रकाश, उनका एक बेटा और दो बेटियां हैं। अंगदान के लिए

परिवार से सहमति मिलने के बाद डोनेट लाइफ द्वारा एसओटीटीओ से संपर्क किया गया। एसओटीटीओ द्वारा किरण अस्पताल, सूरत को किडनी, लीवर और आवृत्ति की गई थी, किरण अस्पताल द्वारा दान की गई दो किडनी में से एक किडनी को सूरत के 62 वर्षीय निवासी में प्रत्यारोपित किया गया है और दूसरी किडनी को 41 वर्षीय सूरत निवासी व्यक्ति में प्रत्यारोपित किया गया है।

सूरत और दक्षिण गुजरात से डोनेट लाइफ द्वारा कुल 1160 अंग और ऊतक दान किए गए हैं। जिसमें 478 किडनी, 206 लीवर, 48 दिल, 40 फैफड़े, 8 अग्न्याशय, 4 हाथ, 1 छोटी आंत और 375 आंखें दान की गई हैं, देश-विदेश के कुल 1064 लोगों को नया जीवन देने में सफलता मिली है दृष्टि।



News Coverage of Cadaver Organ Donation From Surat through Donate Life

વિશ્વ અંગદાન દિવસે સુરત શહેરમાંથી બે વ્યક્તિના અંગદાન

ડિડોલીના બ્રેનડેડ કમલેશભાઈ પાટીલના અંગોનું ડોનેટ લાઇફ મારફતે દાન : ડોનેટ લાઇફ દારા અત્યાર સુધીમાં ૧૧૬૦ અંગોનું દાન

ખલકર પ્રતિનિધિ,
સુરત, તા. ૧૩

વિશ્વ અંગદાન દિવસે એનેટ લાઇફ દારા ૧૧૬૦મું અંગદાન થયું હતું. ડિડોલીના કમલેશ પાટીલના અંગોનું દાન કરાયું હતું.

મૂળ નંદુરભાડ મહારાષ્ટ્રના રહેવાચી અને લાલ તી-૩૬, શિવસાઈ શક્તિન સોસાયટી માધ્યમ કોમ્પ્લેક્સની નજીક, ડિડોલી, સુરતમાં રહેતા અને ઉચ્ચના જ્યોતિઃસ્તા પાસે જોમ સાઈ મિસણ પાર્ટી નેન્ટર નામની લારી ચલાવતા કમલેશભાઈના, ૧૦ઓગષ્ટના રેન્ડ નંદુરભાડ મહારાષ્ટ્રમાં રહેતા તેમના મામાને ત્યાં દસ્તમાંની વિધિમાં



ગયાછતા. નંદુરભાડ મહારાષ્ટ્રની ઓંગટના રેન્ડ તેમને થયું સારવાર પરત સુરત આવતા રહ્યામાં ગાડી માટે ડિરા હોસ્પિટલમાં દ્યાખલ કરી પરચીપડી ગયા હતા. તા. ૧૧

અનુ. પાલા ૮૫૮

સારવાર શરૂ કરવામાં આવી, ડિડની માંથી એક ડિડનીનું દ્રાન્સ્પલાન્ટ સુરતના રહેવાચી, તી.વ. ૬૨ વ્યક્તિનું અને બીજું ડિડનીનું દ્રાન્સ્પલાન્ટ સુરતના રહેવાચી, તી.વ. ૪૧ વ્યક્તિનું સુરતની ડિરા હોસ્પિટલમાં કરવામાં આવ્યું છે.

અંગદાન કરવાચાની સમજ પ્રાકીલા હેઠળ વાઈના સ્થાપક અને પ્રમુખ નિવેદન માંડવેલવાલાના માર્ગર્દાન હેઠળ કરવામાં આવી હતી. સુરત અને ડિરા ગુજરાતમાંનીનેટ લાઇફ દારા કુલ ૧૫૦ અંગો અને ટોચ્યુઝોનું દાન કરવામાં આવ્યું છે જીમા ૪૭૮ ડિડની, ૨૦૬ લિવર, ૪૮ કાદ્ય, ૪૦૬૬૬૪૦, ૮ પેન્ડીઓસ, ૪ દાથ, ૧ નાનુ આતરદું અને ઊપરથુંઅને દાનચી દીક્રી અને વિદેશના દૂધ ૧૦૫૪ વ્યક્તિનોને નંદુરભાડ અને નવી દ્રાષ્ટી અંગદાન કરુંના મળી છે.

દાનમાં મેળવવામાં આવેલી બે

ઈચાપોરના અશરકીલાલ, ડિડોલીના પાટીલ પરિવારે માનવતા મહેકાવી ઓર્ગન ડેપર બે બ્રેનડેડ વ્યક્તિના અંગોનું દાન કરાયું, ૧૧ને નવજીવન શહેરની સિવિલ હોસ્પિટલમાંથી ફેફસાનું પ્રથમ વખત દાન કરાયું

ફેલ્ટ્વરિપોર્ટ | સુરત

વર્દ્ધ ઓર્ગન ડેપરશન ડેપર સિવિલ અને ડિરા હોસ્પિટલમાંથી બે બ્રેનડેડ વ્યક્તિના પરિવારે અંગોનું દાન કરી ને નવું જીવન મળ્યું છે.

મૂળ અલડાભાડના અને ઈચ્છાપોરમાં રહેતા અશરકીલાલ પાલ (૫૫) ઈચ્છાપોરની કંપનીમાં ગઈ હતા. ૭૮૦એ રોડે બેભાન મથતાં સિવિલમાં દ્યાખલ કરાયા હતા. જ્યાં ૧૨૮૦એ રોડે બ્રેનડેડ જોકેર કરાયા હતા. પરિવારને સોટોની ટીમના ડૉ. નિવેદન કાંઠડીયા, આર.એમ.ઓ., ડૉ.કેતન



અશરકીલાલ અને કમલેશ પાટીલ નાયક, ઈકબાલ કરીવાલાને અંગદાનનું મહત્વ સમજાયું હતું. પરિવારની સંમતિ બાદ સાટીએ તેમની ૨ ડિડની અને લિવર અમદાવાદની જાયડસ હોસ્પિટલને તેમજ ફેફસાનું કે.ડી. હોસ્પિટલને આપ્યા છે. સિવિલમાંથી ફેફસાનું પ્રથમ વખત દાન કરાયું છે.

આ સાથે જ ડિડોલી શિવસાઈ શક્તિની સોસાયટીમાં રહેતા કમલેશ પાટીલ (૪૭) મિસણ પાંડુની લારી ચલાવતા હતા. ૧૦મીએ બાઈક પરચી પડી જતા ડિરાનામાં દ્યાખલ કરાયા હતા. જ્યાં એન હેમરેજ નિદાન થયું હતું. ૧૨મીએ તેમને બ્રેનડેડ જોકેર કરાયા હતા. એનેટ લાઇફના નિલેશ માંડવેલવાલાની ટીમે પરિવારની સંમતિ બાદ સોટોને જીજા કરતા ટીમ ડિડની અને લિવર ડિરાને ફાળવ્યા હતા. જેમાંથી ૧ ડિડનીનું દ્રાન્સ્પલાન્ટ સુરતના વૃદ્ધમાં અન એકનું સુરતના ૪૧ વર્ષીય યુવકમાં કરાયું છે.

" જીતે જી રહ્યાદાન, બ્રેનડેડ કે બાદ કિડની, લિવર, હદ્યદાન..."



ડોનેટ લાઇફ દ્વારા કુલ ૪૭૮ કિડની, ૨૦૬ લીવર, ૪૮ હૃદય, ૪૦ ફેફસાં, ૮ પેનકીઅસ, ૪ હાથનું દાન કરાવાયું

અક્સમાતમાં બ્રેઈનડેડ યુવકનાં લીવર, કિડની અને ચક્કુઓનાં દાનથી ચારને નવું જીવન મળ્યું



સુરત. તા. ૧૩

મહારાષ્ટ્રનાં નંદુરબાર ગામથી પરત કરતા ૪૭ વર્ષીય કમલેશ પાટિલનું માર્ગ અક્સમાતમાં બ્રેઈનડેડ બયા હતા. બ્રેઈનડેડ કમલેશ પાટિલના લીવર, કિડની અને ચક્કુઓનું દાન કરીને ચાર લોકોને નવજીવન આપીને સમાજને નવી દિશા બનાવી હતી.

મૂળ નંદુરબાર મહારાષ્ટ્રનાં રહેવાસી અને હાલ સુરતના ડિડોલીમાં સી-૩૬, શિવ સાંઈ શક્તિ સાસાયટી ખાતે રહેતા અને ઉધના ત્રણ રસ્તા પાસે ઓમ સાઈ મિસણ પાર્ટ્સ સેન્ટર નામની લારી ચલાવતા કમલેશ પાટિલ જત તા. ૧૦ ઓગસ્ટના રોજ નંદુરબાર મહારાષ્ટ્રમાં મામાને ત્યાં દસમાંની વિવિમાં જયા હતા. નંદુરબાર મહારાષ્ટ્ર થી પરત સુરત આવતા રસ્તામાં ગાડી પરથી પરી જયા હતા. અજ્ઞાન્યા લોકોએ તેમને તાત્કાલિક નંદુરબારમાં આવેલી સિવિલ હોસ્પિટલમાં અને ત્યારબાદ સ્મિત હોસ્પિટલમાં દાખલ કર્યા હતા.

તા. ૧૧ ઓગસ્ટના રોજ તેમને વધુ સારવાર માટે કિરણ હોસ્પિટલમાં દાખલ કરી સારવાર શરૂ કરવામાં આવી હતી. જ્યાં નિદાન માટે સિટી સેન્ટેર કરાવતા બ્રેઈન હેમરેજ હોવાનું નિદાન થયું હતું. કમલેશભાઈને બ્રેઈન હેમરેજ હોવાનું જણાતા ૧૨ ઓગસ્ટના રોજ તેમની સારવાર કરવામાં આવી હતી. આ દરમિયાન ડોક્ટરોએ કમલેશને બ્રેઈનડેડ જાહેર કરતા ડોક્ટરો દ્વારા અંગદાન માટે કાર્ય કરતી સર્વયા ડોનેટ લાઈફને જાણ કરવામાં આવી હતી. જેવી ડોનેટ લાઈફની ટીમે હોસ્પિટલ પહોંચી હો. મેહુલ પંચાલની સાથે રહી કમલેશનાં પરિવારજનોને અંગદાનનું મહત્વ અને તેની સમગ્ર પ્રક્રિયા સમજાવી હતી. કમલેશનાં ભાઈ અને પરિવારના અન્ય સભ્યોએ સાથે મળી અંગદાન કરવાનો સંમતિ આપી હતી. બાદમાં કમલેશભાઈ પાટીલના લીવર, કિડની અને ચક્કુઓના દાનથી ચાર લોકોને નવજીવન મળ્યું છે. કિરણ હોસ્પિટલ દ્વારા દાનમાં મેળવવામાં આવેલી બે કિડની માંથી બેંક કિડનીનું ટ્રાન્સપ્લાન્ટ સુરતના રહેવાસી, ૧૨ વર્ષીય વ્યક્તિમાં અને બીજી કિડનીનું ટ્રાન્સપ્લાન્ટ સુરતના રહેવાસી, ૪૧ વર્ષીય વ્યક્તિમાં કરવામાં આવ્યું છે. સુરત અને દસ્તિશ જુજરાતમાંથી ડોનેટ લાઈફ દ્વારા કુલ ૧૧૬૦ અંગો અને ટીસ્યુઓનું દાન કરવામાં આવ્યું છે. જેમાં ૪૭૮ કિડની, ૨૦૬ લીવર, ૪૮ હૃદય, ૪૦ ફેફસાં, ૮ પેનકીઅસ, ૪ હાથ, ૧ નાનું અંતર્ડું અને ૩૭૫ ચક્કુઓનું દાનથી દેશ અને વિદેશનાં કુલ ૧૦૬૪ લોકોએ નવજીવન અને નવી પ્રાણ બનાવ્યા હોય મળી છે.



'વિશ્વ અંગદાન' દિવસે જ સુરતમાં અંગોનું દાન કીડની, લીવર, ચક્કાદાનથી ચારને નવજીવન મળ્યું

સુરત, તા. ૧૩

વિશ્વ અંગદાન દિવસે જ દાનવીરની ખરતી સુરતથી વધુ એક અંગનું દાન કરવામાં આવ્યું છે. મહારાષ્ટ્રના નંદુરબાર ગામથી પરત ફરતા 47 વર્ષથી કમલેશભાઈ પાટીલનું માર્ગ અક્સમાતમાં બ્રેઇનડેડ થયા હતા, ત્યારે કમલેશભાઈના પરિવારે વિશ્વ અંગદાન દિનના દિવસે જ તેમના અંગોનું દાન કરવાનો નિર્ણય કર્યો હતો. જેને લઈને કમલેશભાઈના લીવર, કિડની અને ચક્કાઓનું દાન કરીને ચાર લોકોને નવજીવન આપીને સમાજને નવી દિશા બતાવી હતી.

મૂળ નંદુરબાર મહારાષ્ટ્રના રહેવાસી અને હાલ સુરતના ડિઝેલિમાં C-36, શિવ સાંઈ શક્તિ સોસાયટી ખાતે રહેતા અને ઉથના ત્રણ રસ્તા પાસે ઓમ સાઈ મિસણ પાઉ સેન્ટર નામની લારી ચલાવતા કમલેશભાઈ ગત તા. 10 ઓગસ્ટના રોજ નંદુરબાર મહારાષ્ટ્રમાં મામાને ત્યાં દસમાંની વિધિમાં ગયા હતા. નંદુરબાર મહારાષ્ટ્રથી પરત સુરત આવતા રસ્તામાં ગાડી પરથી પડી ગયા હતા. અજ્ઞાણ્યા લોકોએ તેમને તાત્કાલિક નંદુરબારમાં આવેલી સિવિલ હોસ્પિટલમાં અને ત્યારબાદ સ્મિત હોસ્પિટલમાં દાખલ કર્યા હતા. તા. 11 ઓગસ્ટના રોજ તેમને વધુ સારવાર માટે કિરણ હોસ્પિટલમાં દાખલ કરી સારવાર શરૂ કરવામાં આવી હતી. જ્યાં નિદાન માટે CT સ્કેન કરાવતા બ્રેઇન ડેમરેજ હોવાનું નિદાન થયું હતું. કમલેશભાઈને બ્રેઇન ડેમરેજ

હોવાનું જણાતા 12 ઓગસ્ટના રોજ તેમની સારવાર કરવામાં આવી હતી. આ દરમિયાન ડેક્ટરોએ કમલેશભાઈને બ્રેઇનડેડ જાહેર કર્યા હતા.

કમલેશભાઈ બ્રેઇનડેડ જાહેર કરતા ડેક્ટરો દ્વારા અંગદાન માટે કાર્ય કરતી

જ થઈ જવાનું છે. તેના કરતા અંગોનું દાન થકી ઓર્ગાન નિર્ણયતાના દર્દીઓને નવજીવન મળતું હોય તો તેનાથી ઉત્તમ કોઈ દાન ન હોય શકે. એમ કાઢી તેઓએ કમલેશભાઈના અંગદાન કરવાની સંમતિ આપી હતી. કમલેશભાઈના



મૂળમહારાષ્ટ્રના નંદુરબારના વતની કમલેશ પાટીલ બ્રેઇનડેડ થતી તેમના પરિવારજનોએ અંગોનું દાન કરી માનવતા મહેંકાવી

સંસ્થા ડેનેટ લાઈફને જાણ કરવામાં આવી હતી. જેથી ડેનેટ લાઈફની ટીમે હોસ્પિટલ પહોંચ્યો હો. મેહુલ પંચાલની સાથે રહી કમલેશભાઈના પરિવારજનોને અંગદાનનું મહત્વ અને તેની સમગ્ર પ્રક્રિયા સમજાવી હતી. કમલેશભાઈના ભાઈ અને પરિવારના અન્ય સભ્યોએ સાથે મળી અંગદાન કરવાનો સંમતિ આપી હતી.

આ અંગદાનને લઈને પરિવારે જણાવ્યું હતું કે, આ એક ઈશ્વરીય કાર્ય છે, મૃત્યુ પાસ્યા પણી શરીર તો રાખ

પરિવારમાં તેમની માતા જાબેન, પત્ની નિર્મલાબેન, બાઈ પ્રકાશ છે. તેને એક પુત્ર અને બે પુત્રી છે.

સુરત અને દક્ષિણ ગુજરાતમાંથી ડેનેટ લાઈફ દ્વારા કુલ 1160 અંગો અને ટીસ્પ્યુઓનું દાન કરવામાં આવ્યું છે. જેમાં 478 કિડની, 206 લીવર, 48 ફુદ્ય, 40 ફેફસાં, 8 પેન્કીઅસ, 4 લાથ, 1 નાનું આંતરૂં અને 375 ચક્કાઓનું દાનથી દેશ અને વિદેશના કુલ 1064 લોકોએ નવજીવન અને નવી દ્વારા બન્ધવામાં સફળતા મળી છે.



‘વિશ્વ અંગદાન હિન’ની ઉજવાણી ખરા અર્થમાં સુરતમાં સાર્થક એક ૪ દિવસમાં બ્રેઇનડેડ બે વ્યક્તિનાં કિડની, લિવર, ફેફસાં અને ચક્કાનું ૪૩ રિયાતમંદોને દાન

卷之三

અંગરાની પ્રવર્તિને વાઈ
શહેરીજનોમાં આવેલી જગ્યાનિને પગળે
ખરા અથવાં રવિવારે 'વિશ્વ અંગરાન
દિન'ની ઉજવણી સુરતમાં સાથેક વર્ચ
હતી. 'વિશ્વ અંગરાન દિન'ના રોજ એક
જ હિવલેમાં બેઠનકડ બે વ્યક્તિના
કિન્નો, વિવિધ, ફિક્સનું અને કષ્ટ મળી
નવ અંગરાન દાનની જરૂરિયાતમંડદ
દીક્ષાને નવજગ્યાન મળી રહેતી.

ଓটাৰমণ্ডেন্দা অল্পালুণ্ঠনা বৰতনী
অশৰকৰীলাল বেংশধাৰী পাল (৩.৭. ৮৫)
চৰকাপোৰ খনত টাকড কৃম্পনীমাং
কিকুটিৰি গৱৰ্ত তৰীক কাম কৰতা হ'লা।
চৰমিয়ান গত তা. এগী আৰোগ্যস্থাৱৰ বাবে
সাধা অগ্নিপৰেক বাগ্ধাৰা অৱস্থামাং
তেওৰো দুম পৰ বেলোশীনী ছালতমাং মণী
আব্যা হ'লা ত্যাৰেছাই তেমনে ১০৮-মাং
ভিবিলমাং খসেদ্যা হ'লা। এগী হাপৰা

કરાયા બાદ જરૂરી સારવાર પડી પણ
તેમની તબિયતમાં સુધ્યારો આવ્યો
નહોંતો. ત્યારબાદ થનિવાર રાતે તબીબ
ટીમે તેમને બેઠનડેડ ઘોષિત કર્યા હતા.
પરિવારને સારોની ટીમના ડે. નિલેખ
કાછિયા, નર્સિંગના ઇક્વાલ કરીનાલા
કાઉન્સેલર નિમલા કાયુકથે અંગ્રાનનું
માદાય સમજાયું હતું. પરિવારની સંમતિનું
બાદ અશરકીયાબાળો બને કિડ્ની, વીજન
અને બંને કેકસાં ટ્રાન્સાલાન્ડ માટે
અમદાવાદની લોસ્પિટલમાં વઈ જાયા
હતો. સુરત સિવિલમાંની કેકસાંનું પ્રયત્ન
યથત હાન કરવામાં આવ્યું જોવાનું
આરાનેમણ્ણો ડે. કેનાન નાપક જાયાયું
હતું બીજો વાનવામાં મૂળ મહાભાગ્રાનું
નંદુરભારના વત્તી અને લાલ તિર્યકીનું
સિવિલ શિવસાંથી શક્તિનું સોંતાવયી માટે
રહેતા કમબેચાનાઈ હગ્યાયાઈ પાતીલા (૫.૨. ૪૭) ઉપનામાં મિસાલ પાઈનું

દુષ્ટાન ચલાવતા હતા. દરમિયાન જન ના.
૧૦મીએ કમલેશભાઈ નંદુરબાસથી
સુરત પરત કરી રહતા હતા ત્યારે
અકરમાત નડત અજાપી વાકિનાંથો
નંદુરબાસની સિવિલમાં ખેડેઝો હતો.
ત્યારબાદ ૧૧મીએ તેમને વધુ સારવાર
માટે સુરતની હોસ્પિટલમાં ડાયલ
કરાયા બાદ સીટીસ્કેન સંચિતની તપાસ
કરતા બેઠીન હેમદેર્જ લોવાનું નિદાન થયું
હતું. ત્યારીથી તેણે તા ૧૨મીએ તેમના
બેઠીનેડ ઘોથિન કરતા ગેનેટ લાઈફની
થીએ તેમના પરિવારને અંગારાનું
મહાત્મા સમજાવયું હતું. ગેનેટ વાઈફના
સ્થાપક નિલેશ માંડલેવાળાને જીણાનું
હતું કે. પરિવારના સંમિત આદ ડાનામાં
મળેલી બે ડિડ-પીમાંથી એક સુરતના દર
વધીય વૃક્ત અને બીજી ડિડી સુરતના
૧૧ વર્ષીય ધૂક અને લિંગરે સુરતમાં
દાનાસપાન કરવામાં આવી હતી.

વિશ્વ ઓર્ગાન ડેના હિવ્સે સુરતમાં બે વ્યક્તિના અંગદાન
નવી સિવિલમાં ૪૦મું અંગદાન
પ્રથમવાર બે ફેઝસાનું હાન થયું

(अंतिमिति द्वारा)

દર વર્ષે ૧.૫ મી જોગણ સમગ્ર વિવરમાં નોંધન કેની ઉજવકી કરવામાં આવે છે. તેવા સમગ્ર વિવરાના આપેના બે કિડની, બે ફેકસા અને એક લિવરનું દાન કરવે છે. જીવન ને ફેકસાનું પ્રયત્નમાટે દાન કરું છે. પીઓ વિવરામાં ઉપનામાં આપેના લિવર, કિડની અને નૃનાળી ચાર વ્યક્તિનાં નશવિદ્યાળ મળ્યું છે.

ઇચ્છાપોરના પ્રૌઢની બે કિડની, બે ફેક્સા, લિવર અને ઉધનાના આપેડના લિવર, કિડની અને ચક્કાનું દાન કરાયું

भूमि उत्तरप्रदेशमा अक्षयालय वतानी
अने लाल कृष्णराव रहेता थिए पर्यन्त
आसदीकरण वस्त्रामात्रा पाप छिक्कोपतीमा
इपनीमा सिद्धियुक्ती गर्नेन्ट भास्तु रहता
हो। लाल जनानी भयाल वस्त्रामात्रा
अवस्था तर्ह १०८ देख्युस्त्रामात्रा नपी
सिद्धिकामात्रा छाप्पाल बर्क्की रहना। ज्याँ
ता, उर्मीले बिर्निको आउट हार्या रहा,
सिद्धिवाला डॉ. निकेत श्रावीरा,
आर. एम. औ. डॉ. तेल नायक, उक्ताल
कीदिवालमे तेमना परिवारामा सल्ल्याने

સર્વત્રા અંગરાજે વિદેશ

સુરત દેશે વાઈક પ્રાણ સુરે
દાનના મળેલા હદ્દી, કેશના, બાળ
પાણું આંદોલું દેશનો રિલી, મુંજ
વન્નાંથ, ઠિન્ડાંથ, અમદાવાદ, જેગ
કેરાવાદ, કાંગડા જેવા ચીજાં
હુનરાનાંથ કરુંનામાં આવ્યા છે
ઉપરાંત યુદ્ધન, યુદ્ધેઠ, રવિ
બંદુદીથ એનું સુદૂર હદ્દી
નાગરિકોનું મુખાંથ અને બે-બા
લીલિપટલાંથ હુનરાનાંથ આવ્યા છે.

સુરતમાં બે વ્યક્તિના અંગદાન
ાં ૪૦મું અંગદાન
કેફસાનું દાન થયું
સુરત રચિતક
ધર્માં ઓળખન કેનો ઉજવાથી કરવામાં આવે છે. તેવા
, બે કેફસા અને એક વિપરીતું દાન કરાયું છે. એમાં
નાનાવામાં ઉપયોગથી આવિડું વિવર, કિની અને
નું છે. કિડની, બે કેફસા, લિવર અને
, કિડની અને ચશુનું દાન કરાયું
અંગદાનનું મહત્વ સેવણીયતા સર્વત્ત્ર આપી
કર્તા. રોવિયાર તેમની જીવ કિડની અને
લીવરનું દાન સ્ટોકાર્નિને અંગેને
અભિવ્યક્તિની જાપણ લોલિટામાં તથા
અમદાવાદની કૃ. કોલિસ્પ્રાક્ટમાં કેફસા કાર્બી
જીવાન જાયા હતા. વિવિધાં આ ૪૦મું
અંગદાન હતુ. બીજી જાતાનાં મુખ્ય
મહારાજાનું નાનાવામાં વિષાયા અને કાલ
પ્રાણી વિષસાંથી શક્તિ સોસાપીઠીના રેલોતા
૪૭ વર્ષના અલબ્રાન્સાઈ દ્વારાથી પારીદ
ઉપાના જગત રતા પણે રેલિસ પાર્ટિની વારી
ચલાયા હતા. તો ૧૦મિને ન્યૂઝેરન પાણે
સંખ્યાને તાં દાનમાની વિષિયા જાય હતા.
તાંથી પરસ યાં વાણી સર્વત્ત્ર ગાંધી પરચીની
પદી હતા. ઈંજ યતા સૂરતમાં ખાનાની
લોલિટામાં દાન કરાયા હતા. જાપાન
તા. ૧૨મિને કેનો ૩૮ જીએર વધુ હતા.
ગેનટ વાણીની ક્રીમ તેમના પરિવારનાં
અંગદાન મહત્વ સમજવાની કિડની, લીવર
અને વધુ દાન કર્યું હતુ. દાના મળેણી એક
કિડની સૂરતમાં રહેતી હું વર્ષના વ્યક્તિનાં
અને નીચું ડિનો સુલાયાં રહેતા હું વર્ષના
વાણીની દ્રાવણાની રૂપરૂપાના અની હતી.
જ્યાથી લીલી છુદીયાત્મક વ્યક્તિનાં
દ્રાવણાની રૂપરૂપાના આવશે.

"जीते जी रक्तदान, ब्रेनडेड के बाद किडनी, लिवर, हृदयदान..."



News Coverage of Cadaver Organ Donation From Surat through Donate Life

DONATE LIFE

CADAVER ORGAN DONATION FIGURES

Date: January, 2006 to 13th August, 2023



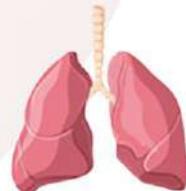
478
KIDNEY



206
LIVER



48
HEART



40
LUNGS



08
PANCREAS



01
INTESTINE



377
CORNEA



04
HANDS

Total 1160 Organs & Tissues donated,
which has given New Life & Vision to 1064 persons
across Country & Globe.

" जीते जी रक्तदान, ब्रेनडे के बाद किडनी, लिवर, हृदयदान..."